आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 15.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने कहा– दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के शुरू होने से विकास को नई गति मिलेगी।
- प्रदेश में जनगणना 2027 के पहले चरण के कार्य को 05 मई पूरा करने के निर्देश।
- केंद्र सरकार ने कहा–वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की सौ प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।
- हरिद्वार में 2027 कुंभ की तैयारियां जोरों पर, शाही स्नान सहित मुख्य स्नान तिथियां घोषित।

नितिन गड़करी

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने कल दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर उत्तराखण्ड के उद्घाटन के दौरान कहा कि इससे विकास को नई गति मिलेगी। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड में करीब एक लाख 30 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

श्री गडकरी ने कहा कि सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन रोड़ का भी जून में उद्घाटन होने जा रहा है। इसी तरह 1 हजार 6 सौ 50 करोड़ के लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोर लेन मार्ग अगले महीने तक शुरु हो जायेगा। 1600 करोड़ रूपये की लागत से हरिद्वार में फोर लेन ग्रीन फील्ड बाईपास फेज–1 अक्टूबर, 2026 तक पूरा हो जायेगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश जाने में ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान होगा। 1100 करोड़ की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को भी मंजूरी प्रदान कर दी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू हो जायेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सोनप्रयाग – केदारनाथ रोपवे और गोंविदघाट से हेमकुंड साहिब पर भी काम कर रही है। प्रदेश में अनेक जगहों पर टनल भी बनाई जा रही है।

जनगणना समीक्षा

जनगणना 2027 के सफल, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने देर रात्रि को जिला आपदा कंट्रोल रूम में जनगणना प्रगति की गहन समीक्षा की।

उन्होंने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत निर्धारित कार्य 25 अप्रैल से 05 मई 2026 के मध्य अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि जनगणना का कार्य धीमी गति से किया जा रहा है, जिसपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं चार्ज अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सचेत करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही माफ नहीं होगी। उन्होंने हाउस लिस्टिंग ब्लॉक से संबंधित कार्यों को आगामी 18 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने पर जोर दिया।

वहीं उधमसिंहनगर जिले के रूद्रपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं शिक्षक हरीश ने बताया कि 2021–22 में कोविड काल के कारण जनगणना स्थगित की गई थी जिसे भारत सरकार द्वारा अब किया जा रहा है।

गैस

केंद्र सरकार ने कहा है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की सौ प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि देश भर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार है और किसी भी एलपीजी वितरण केंद्र पर आपूर्ति में कमी की कोई सूचना नहीं है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और अब तक दो हजार दो सौ से अधिक नाविकों को वापस लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में स्थित भारतीय दूतावास हाई अलर्ट पर हैं और चौबीस घंटे हेल्पलाइन सेवाओं के जरिए नागरिकों को सहायता प्रदान की जा रही है। प्रभावित क्षेत्र से अब तक लगभग 95 लाख भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं।

कुंभ स्नान

कुंभ मेला 2027 के भव्य और व्यवस्थित आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को और तेज कर दिया है। धर्मनगरी में अगले वर्ष 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के अवसर पर प्रमुख अमृत स्नान (शाही स्नान) आयोजित होगा। मेले को सकुशल सुरक्षित और शांतिपूर्वक संपन्न करने के उद्देश्य से मेला प्रशासन ने जोरों से तैयारियां शुरू कर दी है।

कुंभ में स्नान पर्व की तिथियों की जानकारी देते हुए कुंभ मेला अधिकारी सोनिका ने बताया कि 14 अप्रैल 2027 को मकर संक्रांति के प्रमुख अमृत स्नान के अलावा महाशिवरात्रि का अमृत स्नान 6 मार्च को जबकि फागुन अमावस्या का अमृत स्नान 8 मार्च को होगा।

इस बीच मेलाधिकारी सोनिका ने बैसाखी के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कुंभ मेला की तैयारियों एवं चुनौतियों की जमीनी पड़ताल की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगमता, सुविधा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी तैयारियों की माइक्रो प्लानिंग की जा रही है तथा चुनौतियों के प्रभावी समाधान के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

स्वास्थ्य

टिहरी गढ़वाल के नई टिहरी जिला अस्पताल के आयुर्वेदिक विंग में आयुर्वेद और पंचकर्म पद्धति के माध्यम से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। यहां पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से विभिन्न बीमारियों का उपचार किया जा रहा है, जिससे मरीजों को राहत मिल रही है और लोग तेजी से इस पद्धति की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

अस्पताल में पंचकर्म जैसी प्राचीन विधियों के जरिए शरीर को भीतर से स्वस्थ बनाने पर जोर दिया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार यह पद्धति न केवल उपचार में कारगर है, बल्कि लंबे समय तक रोगों से बचाव में भी सहायक है।

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सिद्धि मिश्रा ने बताया कि आयुर्वेद और पंचकर्म के माध्यम से कई रोगों का जड़ से उपचार संभव है और सरकार भी आयुष को बढ़ावा दे रही है, जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ रही है।

अस्पताल में इलाज करा रही निवेदिता परमार ने बताया कि वह पिछले दिसंबर से अपने फ्रैक्चर पैर का इलाज यहां करवा रही हैं, जिससे उन्हें लाभ मिला है।